

प्रथम बार मतदान करने वाले युवाओं में राजनीतिक जागरूकता एवं सहभागिता का अध्ययन

डॉ. दलीप कुमार

सहायक प्रोफेसर (राजनीति विज्ञान) राजकीय डिग्री कॉलेज, गंगेश्वरी अमरोहा-244255

सारांश

लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रथम बार मतदान करने वाले युवा एक महत्वपूर्ण नागरिक समूह हैं, क्योंकि मतदान का प्रथम अनुभव उनके राजनीतिक ज्ञान, अभिवृत्ति और भविष्य की नागरिक सहभागिता से संबंधित हो सकता है। प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य प्रथम बार मतदान करने वाले युवाओं में राजनीतिक जागरूकता एवं राजनीतिक सहभागिता के विभिन्न आयामों का मात्रात्मक अध्ययन करना है। अध्ययन में राजनीतिक जागरूकता को मतदान के अधिकार, मतदाता पंजीकरण, मतदान प्रक्रिया, निर्वाचन आयोग, ईवीएम/वीवीपैट, राजनीतिक दलों, उम्मीदवारों, चुनावी मुद्दों तथा चुनावी नियमों की जानकारी के माध्यम से समझने का प्रयास किया गया है। राजनीतिक सहभागिता में मतदान-तत्परता, चुनावी चर्चा, राजनीतिक सूचना का आदान-प्रदान, ऑनलाइन राजनीतिक गतिविधियाँ, नागरिक गतिविधियाँ तथा प्रत्यक्ष राजनीतिक सहभागिता को सम्मिलित किया गया है। अध्ययन के सांख्यिकीय प्रदर्शन के लिए 300 प्रथम बार मतदाताओं के उदाहरणात्मक आँकड़ों का उपयोग किया गया है। आवृत्ति, प्रतिशत, माध्य, मानक विचलन, सहसंबंध तथा बहु-प्रतिगमन जैसी सांख्यिकीय तकनीकों का प्रयोग किया गया। उदाहरणात्मक विश्लेषण में राजनीतिक जागरूकता और कुल राजनीतिक सहभागिता के बीच सकारात्मक संबंध, तथा शिक्षा, पारिवारिक राजनीतिक चर्चा और डिजिटल सूचना उपयोग के साथ राजनीतिक जागरूकता में अंतर दिखाई देता है। बहु-प्रतिगमन विश्लेषण में राजनीतिक जागरूकता, राजनीतिक चर्चा, राजनीतिक सूचना संपर्क, डिजिटल सूचना-साक्षरता और मतदान-तत्परता राजनीतिक सहभागिता से संबंधित पूर्वानुमानक के रूप में दिखाई देते हैं। अध्ययन यह रेखांकित करता है कि प्रथम बार मतदाताओं के लिए केवल मतदाता पंजीकरण पर्याप्त नहीं है; चुनावी प्रक्रिया की समझ, विश्वसनीय राजनीतिक सूचना, स्वतंत्र निर्णय क्षमता और नागरिक उत्तरदायित्व भी आवश्यक हैं। हालांकि प्रस्तुत सांख्यिकीय परिणाम उदाहरणात्मक हैं और वास्तविक क्षेत्रीय आँकड़ों के स्थान पर उपयोग नहीं किए जाने चाहिए।

प्रमुख शब्द: प्रथम बार मतदाता, युवा, राजनीतिक जागरूकता, राजनीतिक सहभागिता, मतदान व्यवहार, मतदाता शिक्षा, राजनीतिक समाजीकरण

परिचय

लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदान केवल एक संवैधानिक अधिकार नहीं, बल्कि नागरिक सहभागिता का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। लोकतंत्र की प्रभावशीलता इस बात पर भी निर्भर करती है कि नागरिक राजनीतिक व्यवस्था, चुनावी प्रक्रिया, उम्मीदवारों, राजनीतिक मुद्दों और अपने मताधिकार के महत्व के प्रति कितने जागरूक हैं। विशेष रूप से प्रथम बार मतदान करने वाले युवा लोकतांत्रिक प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण समूह का निर्माण करते हैं, क्योंकि उनका पहला मतदान अनुभव भविष्य की राजनीतिक रुचि और नागरिक सहभागिता की दिशा को प्रभावित कर सकता है। भारत में 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने वाले पात्र नागरिक मतदाता के रूप में पंजीकरण करा सकते हैं। निर्वाचन आयोग के अनुसार वर्तमान में qualifying dates 1 जनवरी, 1 अप्रैल, 1 जुलाई और 1 अक्टूबर हैं, और पात्र नागरिक Form 6 के माध्यम से पंजीकरण कर सकते हैं। मतदाता सूची में नाम का होना मतदान के लिए आवश्यक है। प्रथम बार मतदाता बनने की प्रक्रिया केवल मतदाता पहचान-पत्र प्राप्त करने तक सीमित नहीं है। इसमें चुनावी प्रक्रिया की समझ, मतदाता सूची में पंजीकरण, मतदान केंद्र की जानकारी, उम्मीदवारों एवं चुनावी मुद्दों के बारे में जानकारी, स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता तथा मतदान के प्रति नागरिक उत्तरदायित्व की भावना भी सम्मिलित होती है। इस संदर्भ में राजनीतिक जागरूकता और राजनीतिक सहभागिता

एक-दूसरे से संबंधित महत्वपूर्ण आयाम बन जाते हैं। युवा वर्ग किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण सामाजिक घटक है। निर्वाचन आयोग की SVEEP व्यवस्था का उद्देश्य मतदाता शिक्षा, जागरूकता और चुनावी सहभागिता को बढ़ाना है तथा इसके लक्षित क्षेत्रों में youth electoral participation भी शामिल है। आयोग के दस्तावेजों में informed and ethical voting तथा युवा एवं शहरी मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने को स्पष्ट उद्देश्य के रूप में रेखांकित किया गया है।

प्रथम बार मतदान करने वाले युवाओं के राजनीतिक समाजीकरण में परिवार, मित्र समूह, विद्यालय एवं विश्वविद्यालय, समाचार माध्यम, सोशल मीडिया तथा राजनीतिक चर्चाएँ महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। डिजिटल युग में युवाओं को चुनाव संबंधी जानकारी प्राप्त करने के लिए सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों तक भी व्यापक पहुँच है। इससे राजनीतिक सूचना तक पहुँच आसान हुई है, लेकिन साथ ही सूचना की विश्वसनीयता, misinformation, राजनीतिक ध्रुवीकरण तथा एकपक्षीय सूचना जैसे प्रश्न भी महत्वपूर्ण हो गए हैं। इसलिए केवल यह जानना पर्याप्त नहीं है कि युवा राजनीतिक जानकारी प्राप्त करते हैं या नहीं; यह भी समझना आवश्यक है कि वे जानकारी को किस प्रकार समझते, परखते और राजनीतिक निर्णय में उपयोग करते हैं। प्रथम बार मतदान करने वाले युवाओं में राजनीतिक सहभागिता को भी केवल मतदान तक सीमित नहीं किया जाना चाहिए। चुनावी मुद्दों पर चर्चा, उम्मीदवारों के बारे में जानकारी प्राप्त करना, राजनीतिक कार्यक्रमों में भाग लेना, नागरिक मुद्दों पर अपनी राय व्यक्त करना, राजनीतिक प्रतिनिधियों से संपर्क करना और डिजिटल माध्यमों पर राजनीतिक चर्चाओं में भाग लेना भी व्यापक राजनीतिक सहभागिता के हिस्से हो सकते हैं। हाल के भारतीय शोध में युवाओं के 2024 लोकसभा चुनावों में राजनीतिक व्यवहार और मतदान पर भी अध्ययन किया गया है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि युवा मतदाताओं की राजनीतिक प्राथमिकताओं और सहभागिता को समझना समकालीन भारतीय लोकतंत्र के अध्ययन का महत्वपूर्ण क्षेत्र है। इसी संदर्भ में प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य प्रथम बार मतदान करने वाले युवाओं की **राजनीतिक जागरूकता, चुनावी ज्ञान, मतदान के प्रति अभिवृत्ति, राजनीतिक रुचि और राजनीतिक सहभागिता** का मात्रात्मक अध्ययन करना है। अध्ययन यह समझने का प्रयास करेगा कि राजनीतिक जागरूकता का स्तर युवाओं की राजनीतिक सहभागिता से किस सीमा तक संबंधित है तथा सामाजिक, शैक्षिक और डिजिटल कारक इस प्रक्रिया में किस प्रकार भूमिका निभाते हैं।

शोध प्रश्न- प्रथम बार मतदान करने वाले युवाओं में राजनीतिक जागरूकता का स्तर उनकी राजनीतिक सहभागिता से किस प्रकार संबंधित है तथा सामाजिक, शैक्षिक एवं डिजिटल सूचना-स्रोत उनकी चुनावी जागरूकता और सहभागिता को किस सीमा तक प्रभावित करते हैं?

शोध की परिकल्पनाएँ

H₁-प्रथम बार मतदान करने वाले युवाओं की राजनीतिक जागरूकता और उनकी राजनीतिक सहभागिता के बीच सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण सकारात्मक संबंध है।

H₂-उच्च शैक्षिक स्तर वाले प्रथम बार मतदाताओं की राजनीतिक जागरूकता का स्तर निम्न शैक्षिक स्तर वाले प्रथम बार मतदाताओं की तुलना में सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण रूप से अधिक है।

H₃-राजनीतिक सूचना के नियमित संपर्क, राजनीतिक चर्चा तथा डिजिटल सूचना-साक्षरता प्रथम बार मतदान करने वाले युवाओं की राजनीतिक सहभागिता के महत्वपूर्ण predictors हैं।

अध्ययन का महत्व (Significance of the Study)

- **लोकतांत्रिक सहभागिता के संदर्भ में-** प्रथम बार मतदान करने वाले युवा लोकतांत्रिक प्रक्रिया में प्रवेश करने वाला महत्वपूर्ण नागरिक समूह हैं। उनके मतदान संबंधी अनुभव और राजनीतिक अभिवृत्तियाँ भविष्य की नागरिक सहभागिता से संबंधित हो सकती हैं। अतः इस समूह का अध्ययन लोकतांत्रिक सहभागिता की समझ को विस्तृत करता है।

- **राजनीतिक जागरूकता के संदर्भ में**-अध्ययन यह निर्धारित करने में सहायता करेगा कि प्रथम बार मतदाता चुनावी प्रक्रिया, मतदाता अधिकार, उम्मीदवारों, राजनीतिक दलों, चुनावी मुद्दों और मतदान प्रक्रिया के बारे में कितने जागरूक हैं।
- **युवा मतदाताओं के संदर्भ में**-युवाओं की राजनीतिक सहभागिता को केवल मतदान प्रतिशत के माध्यम से समझना पर्याप्त नहीं है। उनके राजनीतिक ज्ञान, रुचि, चर्चा, सूचना स्रोत और नागरिक व्यवहार का अध्ययन अधिक व्यापक तस्वीर प्रस्तुत कर सकता है।
- **निर्वाचन शिक्षा के संदर्भ में**-अध्ययन के निष्कर्ष voter education programmes को अधिक targeted बनाने में उपयोगी हो सकते हैं। ECI का SVEEP कार्यक्रम स्वयं voter awareness और electoral participation को बढ़ाने के उद्देश्य से संचालित है।
- **डिजिटल राजनीतिक संचार के संदर्भ में**-आज प्रथम बार मतदाता समाचार एवं राजनीतिक जानकारी प्राप्त करने के लिए डिजिटल माध्यमों का उपयोग कर सकते हैं। इसलिए राजनीतिक जागरूकता के साथ digital information literacy का अध्ययन भी आवश्यक है।
- **उच्च शिक्षा संस्थानों के संदर्भ में**-विश्वविद्यालय और महाविद्यालय युवा नागरिकों में लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक चेतना और नागरिक उत्तरदायित्व के विकास के महत्वपूर्ण स्थल हैं। अध्ययन के निष्कर्ष campus-based voter education initiatives के लिए उपयोगी हो सकते हैं।

अध्ययन की आवश्यकता (Need of the Study)

प्रथम बार मतदान करने वाले युवाओं का राजनीतिक व्यवहार कई कारणों से अध्ययन योग्य है। सबसे पहले, पहली बार मतदान करना व्यक्ति के नागरिक जीवन में एक महत्वपूर्ण संक्रमण बिंदु है। इस अवस्था में प्राप्त राजनीतिक जानकारी और चुनावी अनुभव भविष्य की राजनीतिक रुचि एवं सहभागिता से संबंधित हो सकते हैं। दूसरे, केवल मतदाता के रूप में पंजीकरण होना राजनीतिक जागरूकता की गारंटी नहीं है। एक युवा मतदाता को मतदान प्रक्रिया, मतदाता सूची, मतदान केंद्र, उम्मीदवारों, चुनावी मुद्दों और अपने मत के महत्व की जानकारी होना भी आवश्यक है। निर्वाचन आयोग स्वयं voter education को electoral participation की गुणवत्ता से जोड़ता है और informed तथा ethical participation को SVEEP का एक उद्देश्य बताता है। तीसरे, वर्तमान डिजिटल वातावरण ने राजनीतिक सूचना प्राप्त करने के साधनों में व्यापक परिवर्तन किया है। युवा समाचार वेबसाइटों, YouTube, Instagram, WhatsApp तथा अन्य माध्यमों के जरिए चुनाव संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसलिए राजनीतिक जागरूकता के traditional तथा digital sources दोनों का अध्ययन आवश्यक है। चौथे, प्रथम बार मतदाताओं की राजनीतिक सहभागिता केवल मतदान तक सीमित नहीं है। चुनावी मुद्दों पर चर्चा, राजनीतिक कार्यक्रमों में भागीदारी, नागरिक समस्याओं पर सक्रियता और राजनीतिक जानकारी का प्रसार भी उनके व्यापक civic participation का हिस्सा हो सकते हैं। अतः यह अध्ययन प्रथम बार मतदाताओं में **ज्ञान → राजनीतिक रुचि → राजनीतिक अभिवृत्ति → मतदान की तैयारी → वास्तविक राजनीतिक सहभागिता** की संभावित श्रृंखला को समझने के लिए आवश्यक है।

शोध-अंतराल (Research Gap)

युवाओं की राजनीतिक सहभागिता पर पर्याप्त साहित्य उपलब्ध है, फिर भी **प्रथम बार मतदान करने वाले युवाओं** पर केंद्रित कुछ विशिष्ट शोध-अंतराल दिखाई देते हैं।

- **प्रथम बार मतदाताओं पर विशिष्ट फोकस**-अनेक अध्ययन व्यापक youth population या सभी मतदाताओं की राजनीतिक सहभागिता पर केंद्रित हैं। प्रथम बार मतदान करने वालों को एक अलग analytical group के रूप में लेकर उनके राजनीतिक ज्ञान और वास्तविक सहभागिता का संयुक्त अध्ययन अपेक्षाकृत अधिक केंद्रित शोध की मांग करता है।
- **जागरूकता और सहभागिता के बीच संबंध**-राजनीतिक जागरूकता और मतदान के बीच संबंध की चर्चा होती रही है, लेकिन यह आवश्यक है कि जागरूकता को अनेक indicators—जैसे चुनावी प्रक्रिया, उम्मीदवार,

राजनीतिक दल, मतदान प्रक्रिया, संवैधानिक अधिकार और समसामयिक मुद्दे—के माध्यम से मापा जाए तथा उसे विभिन्न सहभागिता indicators से जोड़ा जाए।

- **मतदान बनाम व्यापक राजनीतिक सहभागिता**-पहली बार मतदाता मतदान करता है या नहीं, यह एक महत्वपूर्ण प्रश्न है, लेकिन इसके अतिरिक्त चुनावी चर्चा, campaign exposure, civic activity, political communication और public-issue participation जैसे आयामों का अध्ययन भी आवश्यक है।
- **डिजिटल सूचना-स्रोतों की भूमिका**-समकालीन युवा राजनीतिक जानकारी के लिए डिजिटल माध्यमों का उपयोग करते हैं। इसलिए राजनीतिक जागरूकता के traditional sources के साथ social media और online news को शामिल करना आवश्यक है। निर्वाचन आयोग भी युवा मतदाताओं तक voter awareness पहुँचाने के लिए social media तथा campus-based interventions का उपयोग करता है।
- **राजनीतिक जानकारी की गुणवत्ता**-राजनीतिक जानकारी की मात्रा और उसकी विश्वसनीयता दो अलग-अलग विषय हैं। प्रथम बार मतदाताओं में information verification, source evaluation और digital literacy को शामिल करने वाले quantitative studies की आवश्यकता बनी हुई है।
- **सामाजिक एवं शैक्षिक अंतर**-लिंग, आयु, शिक्षा, ग्रामीण-शहरी पृष्ठभूमि, परिवार की राजनीतिक चर्चा और डिजिटल पहुँच जैसे कारकों के आधार पर प्रथम बार मतदाताओं की जागरूकता एवं सहभागिता में संभावित अंतर का भी अध्ययन आवश्यक है।

अध्ययन की परिसीमा (Delimitations)

1. अध्ययन को **18-21 वर्ष आयु वर्ग के प्रथम बार मतदान करने वाले युवाओं** तक सीमित किया जा सकता है।
2. अध्ययन में केवल वे प्रतिभागी शामिल किए जाएंगे जो पहली बार किसी चुनाव में मतदान करने के पात्र/मतदाता बने हैं।
3. अध्ययन का मुख्य केंद्र **राजनीतिक जागरूकता एवं राजनीतिक सहभागिता** रहेगा।
4. राजनीतिक जागरूकता के अंतर्गत चुनावी प्रक्रिया, मतदान अधिकार, मतदाता पंजीकरण, उम्मीदवार, राजनीतिक दल, चुनावी मुद्दे, मतदान केंद्र तथा चुनाव संबंधी सामान्य जानकारी को शामिल किया जाएगा।
5. राजनीतिक सहभागिता में मतदान की इच्छा/वास्तविक मतदान, चुनावी चर्चा, राजनीतिक कार्यक्रमों में भागीदारी, नागरिक गतिविधियाँ, राजनीतिक सूचना साझा करना और सार्वजनिक मुद्दों पर अभिव्यक्ति जैसे संकेतक शामिल किए जा सकते हैं।
6. अध्ययन में **पारिवारिक राजनीतिक चर्चा, मित्र समूह, शैक्षिक संस्थान, समाचार माध्यम और सोशल मीडिया** को प्रमुख सूचना-स्रोतों के रूप में शामिल किया जा सकता है।
7. अध्ययन मुख्यतः **मात्रात्मक सर्वेक्षण पद्धति** पर आधारित होगा।
8. अध्ययन के लिए विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों के चयनित प्रथम बार मतदाताओं को नमूने में सम्मिलित किया जाएगा।
9. अध्ययन किसी विशेष राजनीतिक दल या उम्मीदवार के पक्ष अथवा विपक्ष का मूल्यांकन नहीं करेगा।
10. अध्ययन का उद्देश्य युवाओं की राजनीतिक पसंद का prediction करना नहीं, बल्कि उनकी **जागरूकता, सूचना-स्रोत, अभिवृत्ति और सहभागिता के बीच संबंधों** का अध्ययन करना होगा।
11. अध्ययन के निष्कर्ष केवल चयनित नमूने की विशेषताओं के संदर्भ में व्याख्यायित किए जाएंगे तथा उन्हें स्वतः सभी भारतीय प्रथम बार मतदाताओं पर सामान्यीकृत नहीं किया जाएगा।

साहित्य समीक्षा

राजनीतिक जागरूकता और राजनीतिक सहभागिता लोकतांत्रिक नागरिकता के दो महत्वपूर्ण आयाम हैं। राजनीतिक जागरूकता में राजनीतिक संस्थाओं, चुनावी प्रक्रिया, उम्मीदवारों, नीतियों, अधिकारों और सार्वजनिक मुद्दों के संबंध में जानकारी शामिल होती है, जबकि राजनीतिक सहभागिता मतदान, राजनीतिक चर्चा, नागरिक गतिविधियों, चुनावी अभियानों तथा सार्वजनिक मुद्दों पर सक्रियता जैसे व्यवहारों को सम्मिलित करती है। युवाओं के संदर्भ में इन दोनों का अध्ययन विशेष महत्व रखता है क्योंकि युवा अवस्था राजनीतिक अभिवृत्तियों और नागरिक पहचान के विकास का महत्वपूर्ण चरण है।

राजनीतिक समाजीकरण के पारंपरिक सिद्धांतों में परिवार, विद्यालय, मित्र समूह और संचार माध्यमों को राजनीतिक ज्ञान एवं अभिवृत्ति निर्माण के महत्वपूर्ण अभिकरण माना गया है। आज इन पारंपरिक माध्यमों के साथ डिजिटल माध्यम भी राजनीतिक सूचना के प्रमुख स्रोत बन गए हैं। युवा राजनीतिक समाचार, चुनावी जानकारी और सार्वजनिक मुद्दों के बारे में टेलीविजन, समाचार-पत्र, ऑनलाइन समाचार माध्यम और सामाजिक माध्यमों से जानकारी प्राप्त करते हैं। युवा मतदाताओं पर किए गए अध्ययनों ने राजनीतिक जानकारी प्राप्त करने, राजनीतिक चर्चा और राजनीतिक प्रभावकारिता के बीच संबंधों को समझने की आवश्यकता पर बल दिया है। भारत के संदर्भ में प्रथम बार मतदाताओं का प्रश्न विशेष महत्व रखता है। भारत निर्वाचन आयोग ने स्वयं यह उल्लेख किया है कि 18-19 वर्ष आयु वर्ग में पहली बार पात्र होने वाले युवाओं में सूचना का अंतर और प्रेरणा की कमी चुनावी सहभागिता को प्रभावित करने वाली चुनौतियों में शामिल हैं। इसी कारण आयोग ने युवा मतदाताओं के लिए मतदाता शिक्षा को केवल चुनाव अवधि तक सीमित न रखकर निरंतर प्रक्रिया के रूप में विकसित करने पर बल दिया है। भारत निर्वाचन आयोग के 2024 के आँकड़ों में 18-29 वर्ष आयु वर्ग के मतदाताओं का कुल मतदाता आबादी में 22.78 प्रतिशत हिस्सा दर्ज किया गया। इससे युवा मतदाताओं का भारतीय निर्वाचन व्यवस्था में महत्वपूर्ण जनसांख्यिकीय स्थान स्पष्ट होता है। 2024 के लोकसभा चुनावों में युवाओं के राजनीतिक व्यवहार पर कुमार और कुमार का अध्ययन भी युवा मतदाताओं की राजनीतिक सहभागिता और मतदान विकल्पों को समकालीन भारतीय चुनावी अध्ययन का महत्वपूर्ण विषय मानता है।

डिजिटल माध्यमों ने युवा राजनीतिक सहभागिता की प्रकृति को भी बदल दिया है। भारत पर हाल के शोध में सामाजिक माध्यमों पर समाचार उपयोग, राजनीतिक रुचि और ऑनलाइन राजनीतिक सहभागिता के बीच संबंध पाया गया है। हालांकि इन संबंधों की तीव्रता अलग-अलग सामाजिक समूहों में भिन्न हो सकती है। इसी प्रकार भारतीय जेनरेशन-जेड युवाओं पर हालिया शोध ने डिजिटल सक्रियता के अनुभवों में सामाजिक, भावनात्मक और व्यवहारगत आयामों को रेखांकित किया है। युवा राजनीतिक सहभागिता केवल मतदान तक सीमित नहीं है। विश्वविद्यालयी छात्र राजनीतिक कार्यक्रमों, छात्र चुनावों, सामाजिक अभियानों और डिजिटल गतिविधियों के माध्यम से भी नागरिक जीवन में भाग लेते हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र राजनीति पर हालिया अध्ययन में मतदान, राजनीतिक कार्यक्रमों में उपस्थिति, सामाजिक माध्यमों पर सहभागिता और राजनीतिक सक्रियता को छात्र राजनीतिक सहभागिता के विभिन्न रूपों के रूप में देखा गया है। अंतरराष्ट्रीय साहित्य यह भी दर्शाता है कि युवा मतदाताओं के लिए चुनाव से पहले राजनीतिक ज्ञान, उम्मीदवारों की जानकारी और मतदान की आदतों का अभाव सहभागिता की चुनौती बन सकता है। चुनावी जागरूकता अभियानों, नागरिक शिक्षा और राजनीतिक घटनाओं को युवाओं की सहभागिता बढ़ाने वाले संभावित माध्यमों के रूप में अध्ययन किया गया है। फिर भी उपलब्ध साहित्य में प्रथम बार मतदान करने वाले युवाओं को विशेष समूह के रूप में लेकर **राजनीतिक ज्ञान, सूचना-स्रोत, मतदान-तत्परता, डिजिटल सूचना-साक्षरता तथा ऑनलाइन एवं प्रत्यक्ष राजनीतिक सहभागिता** को एकीकृत मात्रात्मक ढाँचे में देखने वाले अध्ययन अपेक्षाकृत सीमित हैं। इसी शोध-अंतराल को ध्यान में रखते हुए वर्तमान अध्ययन प्रथम बार मतदाताओं की राजनीतिक जागरूकता और सहभागिता के बीच संबंध को अनुभवजन्य रूप से समझने का प्रयास करता है।

शोध पद्धति

प्रस्तुत अध्ययन **वर्णनात्मक एवं सहसंबंधात्मक मात्रात्मक शोध अभिकल्प** पर आधारित है। अध्ययन की लक्षित जनसंख्या 18-22 वर्ष आयु वर्ग के वे युवा हैं जो पहली बार मतदान करने के पात्र बने हैं अथवा प्रथम बार मतदान कर रहे हैं। सांख्यिकीय विश्लेषण के प्रदर्शन के लिए 300 प्रतिभागियों का उदाहरणात्मक नमूना लिया गया है। वास्तविक क्षेत्रीय अध्ययन में विभिन्न महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों से उपयुक्त नमूना चयन विधि द्वारा प्रतिभागियों का चयन किया जा सकता है। आँकड़ा संकलन के लिए संरचित प्रश्नावली का प्रयोग प्रस्तावित है। प्रश्नावली को पाँच-बिंदु मापनी पर तैयार किया जा सकता है। इसके प्रमुख आयामों में सामाजिक-जनसांख्यिकीय जानकारी, चुनावी एवं राजनीतिक जागरूकता, राजनीतिक सूचना के स्रोत, राजनीतिक रुचि, मतदान-अभिवृत्ति, मतदान-तत्परता, डिजिटल सूचना-साक्षरता तथा राजनीतिक सहभागिता सम्मिलित हैं। राजनीतिक जागरूकता को मतदान अधिकार, पंजीकरण, मतदान प्रक्रिया, निर्वाचन आयोग, ईवीएम/वीवीपैट, राजनीतिक दलों, उम्मीदवारों, चुनावी मुद्दों और चुनावी नियमों के माध्यम से मापा गया है। राजनीतिक सहभागिता में ऑनलाइन राजनीतिक गतिविधियों, चुनावी चर्चाओं, नागरिक अभियानों, राजनीतिक बैठकों, प्रतिनिधियों से संपर्क तथा मतदान-तत्परता को शामिल किया गया है। उपकरण की विषय-वस्तु वैधता विषय विशेषज्ञों द्वारा तथा आंतरिक संगति क्रोनबाख अल्फा द्वारा जाँची जा सकती है। आँकड़ों के विश्लेषण के लिए आवृत्ति, प्रतिशत, माध्य, मानक विचलन, सहसंबंध,

समूह-अंतर परीक्षण तथा बहु-प्रतिगमन का उपयोग किया गया है। राजनीतिक जागरूकता और राजनीतिक सहभागिता के संबंध को पीयरसन सहसंबंध द्वारा तथा सहभागिता के पूर्वानुमानकों को बहु-प्रतिगमन द्वारा समझा गया है। शिक्षा, निवास, परिवार में राजनीतिक चर्चा तथा डिजिटल सूचना उपयोग के आधार पर जागरूकता में अंतर का परीक्षण भी किया गया है। प्रस्तुत सातों तालिकाओं के आँकड़े **उदाहरणात्मक** हैं; वास्तविक शोध निष्कर्षों के लिए वास्तविक क्षेत्रीय आँकड़ों का उपयोग आवश्यक होगा।

तालिका 1. प्रथम बार मतदान करने वाले युवाओं की सामाजिक-जनसांख्यिकीय एवं शैक्षिक पृष्ठभूमि का विस्तृत वितरण

क्र.	चर	श्रेणी	आवृत्ति (f)	प्रतिशत (%)
1	लिंग	पुरुष	154	51.3
		महिला	140	46.7
		अन्य	6	2.0
2	आयु	18 वर्ष	62	20.7
		19 वर्ष	84	28.0
		20 वर्ष	76	25.3
		21 वर्ष	48	16.0
		22 वर्ष	30	10.0
3	शैक्षिक स्तर	इंटरमीडिएट	48	16.0
		स्नातक	142	47.3
		स्नातकोत्तर	82	27.4
		व्यावसायिक/तकनीकी	28	9.3
4	निवास क्षेत्र	ग्रामीण	108	36.0
		अर्द्ध-शहरी	54	18.0
		शहरी	138	46.0
5	परिवार में राजनीतिक चर्चा	निम्न	72	24.0
		मध्यम	132	44.0
		उच्च	96	32.0
6	इंटरनेट सुविधा	व्यक्तिगत	270	90.0
		साझा/सीमित	30	10.0
7	स्मार्टफोन उपलब्धता	हाँ	292	97.3
		नहीं	8	2.7
8	दैनिक इंटरनेट उपयोग	1 घंटे से कम	30	10.0
		1-3 घंटे	108	36.0
		3-5 घंटे	112	37.3
		5 घंटे से अधिक	50	16.7

तालिका 1 में अध्ययन में सम्मिलित 300 प्रथम बार मतदान करने वाले युवाओं की सामाजिक-जनसांख्यिकीय, शैक्षिक एवं डिजिटल पृष्ठभूमि प्रस्तुत की गई है। लिंग के आधार पर 51.3 प्रतिशत प्रतिभागी पुरुष, 46.7 प्रतिशत महिला तथा 2.0 प्रतिशत अन्य श्रेणी के हैं। इस प्रकार नमूने में पुरुष एवं महिला प्रतिभागियों का प्रतिनिधित्व लगभग संतुलित है। आयु के आधार पर 19 वर्ष के युवा सर्वाधिक 28.0 प्रतिशत हैं, जबकि 20 वर्ष के 25.3 प्रतिशत और 18 वर्ष के 20.7 प्रतिशत प्रतिभागी हैं। इससे स्पष्ट होता है कि नमूना मुख्यतः किशोरावस्था से युवा वयस्कता में प्रवेश कर रहे प्रथम बार मतदाताओं पर केंद्रित है। शैक्षिक स्तर की दृष्टि से 47.3 प्रतिशत प्रतिभागी स्नातक, 27.4 प्रतिशत स्नातकोत्तर, 16.0 प्रतिशत इंटरमीडिएट तथा 9.3 प्रतिशत व्यावसायिक या तकनीकी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इससे संकेत मिलता है कि अध्ययन में उच्च शिक्षा से जुड़े युवाओं की पर्याप्त भागीदारी है। निवास क्षेत्र के अनुसार 46.0 प्रतिशत शहरी, 36.0 प्रतिशत ग्रामीण और 18.0 प्रतिशत अर्द्ध-शहरी

पृष्ठभूमि से हैं। परिवार में राजनीतिक चर्चा का स्तर 44.0 प्रतिशत युवाओं में मध्यम तथा 32.0 प्रतिशत में उच्च पाया गया है। केवल 24.0 प्रतिशत में यह निम्न है। यह चर राजनीतिक समाजीकरण के अध्ययन में महत्वपूर्ण है, क्योंकि परिवार राजनीतिक विचारों और नागरिक व्यवहार के विकास का एक प्रमुख सामाजिक माध्यम हो सकता है। डिजिटल पहुँच अत्यधिक व्यापक है। 97.3 प्रतिशत युवाओं के पास स्मार्टफोन तथा 90.0 प्रतिशत के पास व्यक्तिगत इंटरनेट सुविधा है। 37.3 प्रतिशत प्रतिदिन 3-5 घंटे और 16.7 प्रतिशत पाँच घंटे से अधिक इंटरनेट का उपयोग करते हैं। इससे संकेत मिलता है कि प्रथम बार मतदाताओं की राजनीतिक जानकारी के निर्माण में डिजिटल माध्यमों की संभावित भूमिका का अध्ययन आवश्यक है। भारत निर्वाचन आयोग का मतदाता शिक्षा कार्यक्रम भी मतदाता जागरूकता और चुनावी साक्षरता को बढ़ाने पर केंद्रित है।

तालिका 2. प्रथम बार मतदान करने वाले युवाओं में चुनावी एवं राजनीतिक जागरूकता के विभिन्न आयामों का स्तर

क्र.	राजनीतिक जागरूकता का संकेतक	निम्न (%)	मध्यम (%)	उच्च (%)	माध्य	मानक विचलन
1	मतदान के अधिकार की जानकारी	24 (8.0)	96 (32.0)	180 (60.0)	3.78	0.81
2	मतदाता पंजीकरण की जानकारी	42 (14.0)	118 (39.3)	140 (46.7)	3.51	0.91
3	मतदान केंद्र की जानकारी	36 (12.0)	104 (34.7)	160 (53.3)	3.64	0.86
4	मतदान प्रक्रिया की जानकारी	30 (10.0)	108 (36.0)	162 (54.0)	3.67	0.84
5	निर्वाचन आयोग की भूमिका	62 (20.7)	142 (47.3)	96 (32.0)	3.22	0.92
6	ईवीएम/वीवीपैट की जानकारी	48 (16.0)	126 (42.0)	126 (42.0)	3.38	0.91
7	राजनीतिक दलों की जानकारी	44 (14.7)	136 (45.3)	120 (40.0)	3.41	0.88
8	उम्मीदवारों की जानकारी	56 (18.7)	138 (46.0)	106 (35.3)	3.29	0.91
9	चुनावी मुद्दों की जानकारी	50 (16.7)	128 (42.7)	122 (40.6)	3.39	0.89
10	चुनावी नियमों की जानकारी	68 (22.7)	144 (48.0)	88 (29.3)	3.15	0.94
11	नोटा की जानकारी	76 (25.3)	128 (42.7)	96 (32.0)	3.10	0.97
12	मतदाता सूची में नाम जाँचने की जानकारी	54 (18.0)	126 (42.0)	120 (40.0)	3.32	0.92

तालिका 2 प्रथम बार मतदाताओं की राजनीतिक एवं चुनावी जागरूकता के बारह विभिन्न आयामों का विश्लेषण प्रस्तुत करती है। मतदान के अधिकार की जानकारी का औसत 3.78 है और 60.0 प्रतिशत प्रतिभागियों का जागरूकता स्तर उच्च है। मतदान प्रक्रिया की जानकारी का औसत 3.67 तथा मतदान केंद्र की जानकारी का औसत 3.64 है। इससे संकेत मिलता है कि प्रथम बार मतदाताओं में मतदान से संबंधित बुनियादी जानकारी अपेक्षाकृत अच्छी हो सकती है। इसके विपरीत, निर्वाचन आयोग की भूमिका, चुनावी नियमों और नोटा जैसे विशिष्ट विषयों पर उच्च जागरूकता अपेक्षाकृत कम दिखाई देती है। निर्वाचन आयोग की भूमिका के संबंध में केवल 32.0 प्रतिशत प्रतिभागी उच्च जागरूकता श्रेणी में हैं। चुनावी नियमों का औसत 3.15 और नोटा का औसत 3.10 है। इससे यह महत्वपूर्ण अंतर सामने आता है कि **मतदान की सामान्य जानकारी और चुनावी संस्थागत जानकारी समान नहीं होती।** ईवीएम/वीवीपैट की जानकारी में 42.0 प्रतिशत प्रतिभागी उच्च तथा 42.0 प्रतिशत मध्यम स्तर पर हैं। राजनीतिक दलों की जानकारी का औसत 3.41 तथा चुनावी मुद्दों की जानकारी का औसत 3.39 है। उम्मीदवारों की जानकारी का औसत 3.29 है। इससे संकेत मिलता है कि युवा सामान्य राजनीतिक वातावरण से परिचित हो सकते हैं, लेकिन विशिष्ट उम्मीदवारों और चुनावी नियमों के संबंध में अतिरिक्त जानकारी की आवश्यकता हो सकती है। मतदाता सूची में अपना नाम जाँचने की जानकारी भी महत्वपूर्ण है। भारत निर्वाचन आयोग के मतदाता सेवा पोर्टल के माध्यम से मतदाता पंजीकरण, मतदाता सूची में नाम की जाँच तथा मतदान केंद्र से संबंधित जानकारी प्राप्त की जा सकती है। इस प्रकार राजनीतिक जागरूकता को एकल चर के रूप में देखने के बजाय उसके विभिन्न घटकों—**अधिकार, प्रक्रिया, संस्थागत ज्ञान, उम्मीदवार ज्ञान, चुनावी मुद्दे तथा नियमों**—को अलग-अलग मापना अधिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण होगा।

तालिका 3. प्रथम बार मतदाताओं में राजनीतिक सूचना के स्रोत, सूचना प्राप्ति की आवृत्ति एवं विश्वसनीयता-जाँच का स्तर

क्र.	राजनीतिक सूचना का स्रोत/व्यवहार	निम्न n (%)	मध्यम n (%)	उच्च n (%)	माध्य	मानक विचलन
1	टेलीविजन समाचार	72 (24.0)	132 (44.0)	96 (32.0)	3.18	0.91
2	समाचार-पत्र	104 (34.7)	126 (42.0)	70 (23.3)	2.91	0.94
3	परिवार	62 (20.7)	130 (43.3)	108 (36.0)	3.31	0.88
4	मित्र/सहपाठी	56 (18.7)	142 (47.3)	102 (34.0)	3.29	0.85
5	विश्वविद्यालय/शिक्षक	82 (27.3)	146 (48.7)	72 (24.0)	3.08	0.89
6	यूट्यूब	44 (14.7)	128 (42.6)	128 (42.7)	3.46	0.90
7	इंस्टाग्राम	52 (17.3)	126 (42.0)	122 (40.7)	3.39	0.92
8	व्हाट्सऐप	60 (20.0)	134 (44.7)	106 (35.3)	3.28	0.91
9	ऑनलाइन समाचार माध्यम	58 (19.3)	132 (44.0)	110 (36.7)	3.30	0.89
10	राजनीतिक चर्चाएँ	68 (22.7)	136 (45.3)	96 (32.0)	3.23	0.87
11	सूचना की सत्यता जाँचने की आदत	84 (28.0)	138 (46.0)	78 (26.0)	3.04	0.93
12	विभिन्न स्रोतों की तुलना	76 (25.3)	144 (48.0)	80 (26.7)	3.10	0.91

तालिका 3 में प्रथम बार मतदाताओं के राजनीतिक सूचना-स्रोतों तथा सूचना के मूल्यांकन संबंधी व्यवहार का विस्तृत अध्ययन किया गया है। डिजिटल स्रोतों में यूट्यूब का औसत 3.46, इंस्टाग्राम का 3.39 और ऑनलाइन समाचार माध्यमों का 3.30 है। इससे संकेत मिलता है कि डिजिटल माध्यम प्रथम बार मतदाताओं के राजनीतिक सूचना वातावरण में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। पारंपरिक स्रोतों में टेलीविजन का औसत 3.18 है, जबकि समाचार-पत्र का औसत 2.91 है। परिवार का औसत 3.31 और मित्रों/सहपाठियों का औसत 3.29 है। इससे यह स्पष्ट होता है कि राजनीतिक समाजीकरण केवल औपचारिक माध्यमों से नहीं होता, बल्कि परिवार तथा मित्र समूह भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। विश्वविद्यालय एवं शिक्षकों का औसत 3.08 है। इससे संकेत मिलता है कि शैक्षणिक संस्थान राजनीतिक जानकारी का एक माध्यम हैं, हालांकि इस उदाहरणात्मक आँकड़े में डिजिटल तथा पारिवारिक स्रोतों की तुलना में उनका उपयोग कुछ कम दिखाई देता है। सबसे महत्वपूर्ण बिंदु राजनीतिक सूचना की **विश्वसनीयता जाँच** से संबंधित है। सूचना की सत्यता जाँचने का औसत केवल 3.04 तथा विभिन्न स्रोतों की तुलना का औसत 3.10 है। इससे यह शोध-क्षेत्र सामने आता है कि सूचना तक पहुँच और सूचना का आलोचनात्मक मूल्यांकन दो अलग-अलग क्षमताएँ हैं। भारत निर्वाचन आयोग चुनावी जानकारी के प्रसार के लिए डिजिटल, मुद्रित, इलेक्ट्रॉनिक, पारस्परिक तथा सामाजिक माध्यमों सहित अनेक संचार माध्यमों का उपयोग करता है। वर्तमान डिजिटल वातावरण में प्रथम बार मतदाताओं के लिए यह आवश्यक है कि वे केवल राजनीतिक सूचना प्राप्त न करें, बल्कि उसके स्रोत और विश्वसनीयता का मूल्यांकन भी करें। इसलिए राजनीतिक जागरूकता के अध्ययन में **सूचना की मात्रा, सूचना का स्रोत, सूचना की नियमितता और सूचना-सत्यापन व्यवहार** को अलग-अलग मापना अधिक उपयुक्त होगा।

तालिका 4. प्रथम बार मतदाताओं की राजनीतिक रुचि, मतदान-अभिवृत्ति एवं मतदान-तत्परता का स्तर

क्र.	संकेतक	निम्न n (%)	मध्यम n (%)	उच्च n (%)	माध्य	मानक विचलन
1	राजनीति में सामान्य रुचि	58 (19.3)	136 (45.3)	106 (35.4)	3.29	0.87
2	चुनावी समाचारों में रुचि	48 (16.0)	128 (42.7)	124 (41.3)	3.47	0.88
3	राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा की इच्छा	64 (21.3)	136 (45.4)	100 (33.3)	3.24	0.90
4	मतदान को नागरिक कर्तव्य मानना	38 (12.7)	104 (34.6)	158 (52.7)	3.68	0.83

5	पहली बार मतदान को लेकर उत्साह	46 (15.3)	112 (37.3)	142 (47.4)	3.55	0.86
6	मतदान करने की निश्चितता	42 (14.0)	106 (35.3)	152 (50.7)	3.61	0.84
7	उम्मीदवारों की तुलना करने की प्रवृत्ति	62 (20.7)	144 (48.0)	94 (31.3)	3.20	0.88
8	राजनीतिक दलों के घोषणापत्र देखने की प्रवृत्ति	92 (30.7)	132 (44.0)	76 (25.3)	2.96	0.92
9	स्वतंत्र मतदान निर्णय का विश्वास	52 (17.3)	128 (42.7)	120 (40.0)	3.38	0.87
10	परिवार/मित्र के प्रभाव से स्वतंत्र निर्णय	72 (24.0)	142 (47.3)	86 (28.7)	3.14	0.90
11	चुनावी बहस/चर्चा में रुचि	66 (22.0)	142 (47.3)	92 (30.7)	3.18	0.89
12	मतदान के बाद भी राजनीतिक जानकारी रखने की इच्छा	44 (14.7)	132 (44.0)	124 (41.3)	3.46	0.85

तालिका 4 में प्रथम बार मतदाताओं की राजनीतिक रुचि, मतदान के प्रति अभिवृत्ति और मतदान-तत्परता को बारह संकेतकों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। मतदान को नागरिक कर्तव्य मानने का औसत 3.68 है तथा 52.7 प्रतिशत प्रतिभागी उच्च स्तर पर हैं। इसी प्रकार मतदान करने की निश्चितता का औसत 3.61 है और 50.7 प्रतिशत प्रतिभागी उच्च श्रेणी में हैं। इससे संकेत मिलता है कि मतदान के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति अपेक्षाकृत मजबूत हो सकती है। पहली बार मतदान को लेकर उत्साह का औसत 3.55 है और 47.4 प्रतिशत युवा उच्च स्तर पर हैं। चुनावी समाचारों में रुचि का औसत 3.47 है। मतदान के बाद भी राजनीतिक जानकारी प्राप्त करते रहने की इच्छा का औसत 3.46 है। इससे संकेत मिलता है कि प्रथम मतदान केवल एक चुनावी घटना न होकर राजनीतिक रुचि के विकास का प्रारंभिक चरण हो सकता है। इसके विपरीत राजनीतिक दलों के घोषणापत्र देखने की प्रवृत्ति का औसत 2.96 है, जो तालिका में अपेक्षाकृत कम है। उम्मीदवारों की तुलना करने का औसत 3.20 है। इससे एक महत्वपूर्ण शोध प्रश्न उत्पन्न होता है—क्या मतदान की इच्छा पर्याप्त राजनीतिक जानकारी और उम्मीदवारों/नीतियों के तुलनात्मक मूल्यांकन पर आधारित है या मुख्यतः सामान्य नागरिक भावना पर? स्वतंत्र मतदान निर्णय के विश्वास का औसत 3.38 है, जबकि परिवार और मित्रों के प्रभाव से स्वतंत्र निर्णय का औसत 3.14 है। इससे राजनीतिक स्वायत्तता के अध्ययन की आवश्यकता दिखाई देती है। यह आवश्यक नहीं कि परिवार या मित्र वास्तव में मतदान निर्णय निर्धारित करते हों; यह केवल यह दर्शाता है कि युवा स्वयं को राजनीतिक निर्णय लेने में कितना स्वतंत्र अनुभव करते हैं। भारत निर्वाचन आयोग मतदाता शिक्षा में केवल मतदान बढ़ाने के बजाय **जागरूक, सूचित और नैतिक चुनावी सहभागिता** पर भी बल देता है। इसलिए प्रथम बार मतदाताओं की मतदान-इच्छा के साथ उनके ज्ञान और निर्णय-प्रक्रिया का अध्ययन आवश्यक है।

तालिका 5. प्रथम बार मतदाताओं की ऑनलाइन एवं प्रत्यक्ष राजनीतिक सहभागिता के विभिन्न आयामों का वितरण

क्र.	राजनीतिक सहभागिता	कभी नहीं n (%)	कभी-कभार n (%)	अक्सर n (%)	बहुत अधिक n (%)
1	राजनीतिक पोस्ट/समाचार देखना	24 (8.0)	92 (30.7)	132 (44.0)	52 (17.3)
2	राजनीतिक पोस्ट को पसंद करना	48 (16.0)	128 (42.7)	98 (32.7)	26 (8.6)
3	राजनीतिक सामग्री साझा करना	88 (29.3)	126 (42.0)	66 (22.0)	20 (6.7)
4	राजनीतिक पोस्ट पर टिप्पणी करना	118 (39.3)	112 (37.3)	56 (18.7)	14 (4.7)
5	राजनीतिक समूह/पृष्ठ का अनुसरण करना	82 (27.3)	112 (37.3)	84 (28.0)	22 (7.4)
6	ऑनलाइन राजनीतिक अभियान में भाग लेना	126 (42.0)	104 (34.7)	54 (18.0)	16 (5.3)
7	चुनावी चर्चा में भाग लेना	48 (16.0)	128 (42.7)	98 (32.7)	26 (8.6)
8	परिवार/मित्रों से चुनावी चर्चा	28 (9.3)	108 (36.0)	122 (40.7)	42 (14.0)

9	राजनीतिक बैठक में भाग लेना	152 (50.7)	102 (34.0)	38 (12.7)	8 (2.6)
10	नागरिक/सामाजिक अभियान में भागीदारी	84 (28.0)	124 (41.3)	72 (24.0)	20 (6.7)
11	राजनीतिक प्रतिनिधि से संपर्क	178 (59.3)	88 (29.3)	28 (9.4)	6 (2.0)
12	सार्वजनिक मुद्दे पर ज्ञापन/याचिका	166 (55.3)	96 (32.0)	30 (10.0)	8 (2.7)

तालिका 5 प्रथम बार मतदाताओं की राजनीतिक सहभागिता को केवल मतदान तक सीमित न रखकर ऑनलाइन तथा प्रत्यक्ष दोनों रूपों में प्रस्तुत करती है। राजनीतिक पोस्ट या समाचार देखना सबसे सामान्य गतिविधियों में है। 44.0 प्रतिशत प्रतिभागी इसे अक्सर और 17.3 प्रतिशत बहुत अधिक करते हैं। परिवार एवं मित्रों के साथ चुनावी चर्चा भी अपेक्षाकृत सामान्य है; 40.7 प्रतिशत युवा अक्सर और 14.0 प्रतिशत बहुत अधिक चर्चा करते हैं। इसके विपरीत राजनीतिक सामग्री साझा करने तथा टिप्पणी करने का स्तर कम है। राजनीतिक सामग्री साझा करने वाले युवाओं का अक्सर या बहुत अधिक वाला संयुक्त प्रतिशत 28.7 है, जबकि टिप्पणी करने के मामले में यह 23.4 प्रतिशत है। ऑनलाइन राजनीतिक अभियान में अक्सर या बहुत अधिक भाग लेने वालों का अनुपात 23.3 प्रतिशत है। प्रत्यक्ष राजनीतिक सहभागिता के संकेतकों में राजनीतिक बैठक में भागीदारी कम दिखाई देती है। 50.7 प्रतिशत युवाओं ने कभी राजनीतिक बैठक में भाग नहीं लिया। राजनीतिक प्रतिनिधि से संपर्क करने के मामले में 59.3 प्रतिशत ने कभी ऐसा नहीं किया। इसी प्रकार 55.3 प्रतिशत ने सार्वजनिक मुद्दे पर ज्ञापन या याचिका में कभी भाग नहीं लिया। इसके विपरीत नागरिक या सामाजिक अभियानों में भागीदारी कुछ अधिक है। 24.0 प्रतिशत अक्सर तथा 6.7 प्रतिशत बहुत अधिक भाग लेते हैं। यह अंतर इस बात को दर्शाता है कि राजनीतिक सहभागिता के अलग-अलग रूपों में भागीदारी समान नहीं होती। इस तालिका का महत्वपूर्ण सैद्धांतिक संकेत यह है कि **राजनीतिक सूचना प्राप्त करना, राजनीतिक अभिव्यक्ति और प्रत्यक्ष राजनीतिक कार्यवाई तीन अलग-अलग स्तर हो सकते हैं।** इसलिए प्रथम बार मतदाताओं के अध्ययन में केवल “मतदान किया या नहीं किया” को राजनीतिक सहभागिता का पर्याप्त माप नहीं माना जाना चाहिए। निर्वाचन आयोग भी चुनावी सहभागिता के लिए मतदाता शिक्षा, सूचना, प्रेरणा और सुविधा को एक साथ जोड़ता है तथा शैक्षणिक संस्थानों में युवा सहभागिता बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास करता है।

तालिका 6. सामाजिक, शैक्षिक एवं डिजिटल कारकों के आधार पर प्रथम बार मतदाताओं की राजनीतिक जागरूकता में अंतर

कारक	श्रेणी	संख्या	राजनीतिक जागरूकता का माध्य	मानक विचलन	परीक्षण मान	p
लिंग	पुरुष	154	3.34	0.61	1.42	.157
	महिला	140	3.43	0.58		
	अन्य	6	3.29	0.66		
शिक्षा	इंटरमीडिएट	48	3.08	0.62	8.76	<.001
	स्नातक	142	3.36	0.57		
	स्नातकोत्तर	82	3.55	0.51		
	व्यावसायिक/तकनीकी	28	3.48	0.54		
निवास	ग्रामीण	108	3.21	0.62	5.84	.003
	अर्द्ध-शहरी	54	3.36	0.57		
	शहरी	138	3.49	0.55		
परिवार में राजनीतिक चर्चा	निम्न	72	3.02	0.61	16.42	<.001
	मध्यम	132	3.38	0.56		
	उच्च	96	3.62	0.48		
डिजिटल सूचना उपयोग	निम्न	68	3.01	0.64	14.73	<.001
	मध्यम	142	3.35	0.56		

	उच्च	90	3.59	0.49		
--	------	----	------	------	--	--

तालिका 6 में सामाजिक, शैक्षिक और डिजिटल कारकों के आधार पर प्रथम बार मतदाताओं की राजनीतिक जागरूकता में अंतर का परीक्षण किया गया है। लिंग के आधार पर महिला प्रतिभागियों का राजनीतिक जागरूकता माध्य 3.43, पुरुषों का 3.34 तथा अन्य श्रेणी का 3.29 है। हालांकि इन समूहों के बीच उदाहरणात्मक परीक्षण में $p = .157$ प्राप्त हुआ है, इसलिए इस काल्पनिक आँकड़े के आधार पर लिंग के अनुसार अंतर को सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण नहीं माना जा सकता। शैक्षिक स्तर के आधार पर अंतर अधिक स्पष्ट दिखाई देता है। इंटरमीडिएट समूह का माध्य 3.08, स्नातक का 3.36, स्नातकोत्तर का 3.55 तथा व्यावसायिक/तकनीकी समूह का 3.48 है। उदाहरणात्मक परीक्षण में $F = 8.76$ और $p < .001$ प्राप्त हुआ। यह संकेत देता है कि शैक्षिक स्तर और राजनीतिक जागरूकता के बीच संबंध हो सकता है। वास्तविक अध्ययन में आगे समूहों के बीच अंतर की पुष्टि के लिए उपयुक्त पश्च-परीक्षण किया जा सकता है। निवास के आधार पर शहरी युवाओं का माध्य 3.49, अर्द्ध-शहरी का 3.36 और ग्रामीण युवाओं का 3.21 है। $F = 5.84$ तथा $p = .003$ का उदाहरणात्मक परिणाम समूहों के बीच अंतर का संकेत देता है। परिवार में राजनीतिक चर्चा के अनुसार अंतर सबसे स्पष्ट दिखाई देता है। निम्न चर्चा वाले समूह का माध्य 3.02, मध्यम का 3.38 और उच्च का 3.62 है। इसी प्रकार डिजिटल राजनीतिक सूचना उपयोग के निम्न समूह का माध्य 3.01 तथा उच्च समूह का 3.59 है। इस प्रकार उदाहरणात्मक परिणाम यह संकेत देते हैं कि राजनीतिक जागरूकता केवल व्यक्तिगत रुचि से संबंधित नहीं हो सकती, बल्कि **शिक्षा, परिवार में राजनीतिक संवाद, निवास संदर्भ और डिजिटल सूचना तक पहुँच** जैसे अनेक कारकों से संबंधित हो सकती है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता शिक्षा में विभिन्न सामाजिक समूहों के लिए लक्षित जागरूकता गतिविधियों तथा शैक्षणिक संस्थानों में युवा सहभागिता पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

तालिका 7. राजनीतिक जागरूकता, राजनीतिक सूचना, मतदान-तत्परता एवं राजनीतिक सहभागिता के बीच सहसंबंध तथा बहु-प्रतिगमन विश्लेषण

(क) सहसंबंध विश्लेषण

चर	राजनीतिक जागरूकता	राजनीतिक सूचना संपर्क	राजनीतिक चर्चा	डिजिटल सूचना-साक्षरता	मतदान-तत्परता	कुल राजनीतिक सहभागिता
राजनीतिक जागरूकता	1.00	.48**	.51**	.46**	.42**	.59**
राजनीतिक सूचना संपर्क	.48**	1.00	.55**	.49**	.38**	.54**
राजनीतिक चर्चा	.51**	.55**	1.00	.47**	.44**	.57**
डिजिटल सूचना-साक्षरता	.46**	.49**	.47**	1.00	.36**	.45**
मतदान-तत्परता	.42**	.38**	.44**	.36**	1.00	.53**
कुल राजनीतिक सहभागिता	.59**	.54**	.57**	.45**	.53**	1.00

** $p < .01$; $N = 300$

(ख) बहु-प्रतिगमन विश्लेषण

आश्रित चर: कुल राजनीतिक सहभागिता

स्वतंत्र/पूर्वानुमानक चर	B	मानक त्रुटि	बीटा (β)	t	p
स्थिरांक	3.214	0.912	—	3.524	<.001
राजनीतिक जागरूकता	0.482	0.076	.352	6.342	<.001
राजनीतिक सूचना संपर्क	0.286	0.081	.214	3.531	<.001
राजनीतिक चर्चा	0.318	0.079	.237	4.025	<.001
डिजिटल सूचना-साक्षरता	0.174	0.072	.126	2.417	.016
मतदान-तत्परता	0.392	0.085	.276	4.612	<.001
पारिवारिक राजनीतिक चर्चा	0.146	0.067	.104	2.179	.030

प्रतिगमन मॉडल का सारांश

सहसंबंध गुणांक (R)	R ²	समायोजित R ²	F	स्वतंत्रता की डिग्री	p
.784	.615	.607	78.21	6, 293	<.001

तालिका 7 अध्ययन का प्रमुख सांख्यिकीय विश्लेषण प्रस्तुत करती है। सहसंबंध विश्लेषण में राजनीतिक जागरूकता और कुल राजनीतिक सहभागिता के बीच $r = .59$ का सकारात्मक संबंध पाया गया है। राजनीतिक चर्चा और कुल राजनीतिक सहभागिता के बीच $r = .57$ तथा राजनीतिक सूचना संपर्क और कुल राजनीतिक सहभागिता के बीच $r = .54$ का संबंध है। मतदान-तत्परता और कुल राजनीतिक सहभागिता के बीच भी $r = .53$ है। सभी संबंध $p < .01$ स्तर पर उदाहरणात्मक रूप से महत्वपूर्ण हैं। राजनीतिक जागरूकता और राजनीतिक चर्चा के बीच $r = .51$ तथा राजनीतिक सूचना संपर्क और राजनीतिक चर्चा के बीच $r = .55$ है। इससे संकेत मिलता है कि राजनीतिक जानकारी और राजनीतिक चर्चा परस्पर संबंधित हो सकते हैं। हालांकि सहसंबंध यह सिद्ध नहीं करता कि सूचना ही चर्चा या सहभागिता का कारण है। बहु-प्रतिगमन विश्लेषण में राजनीतिक जागरूकता, राजनीतिक सूचना संपर्क, राजनीतिक चर्चा, डिजिटल सूचना-साक्षरता, मतदान-तत्परता और पारिवारिक राजनीतिक चर्चा को एक साथ पूर्वानुमानक चर के रूप में शामिल किया गया है। मॉडल में $R = .784$ तथा $R^2 = .615$ है। इसका अर्थ है कि उदाहरणात्मक रूप से इन छह चरों का संयुक्त मॉडल कुल राजनीतिक सहभागिता में लगभग **61.5 प्रतिशत विचरण** की सांख्यिकीय व्याख्या करता है। राजनीतिक जागरूकता का बीटा मान .352 है, जो मॉडल में प्रमुख पूर्वानुमानकों में से एक है। मतदान-तत्परता का $\beta = .276$, राजनीतिक चर्चा का $\beta = .237$ तथा राजनीतिक सूचना संपर्क का $\beta = .214$ है। डिजिटल सूचना-साक्षरता का $\beta = .126$ और पारिवारिक राजनीतिक चर्चा का $\beta = .104$ है। ये उदाहरणात्मक परिणाम यह संकेत देते हैं कि **राजनीतिक जागरूकता और सहभागिता के बीच सकारात्मक संबंध की जाँच के लिए पर्याप्त आधार है**। साथ ही, राजनीतिक सहभागिता को केवल मतदान की इच्छा से नहीं, बल्कि सूचना, चर्चा, डिजिटल साक्षरता और सामाजिक वातावरण के साथ समझना अधिक उपयुक्त होगा। भारत निर्वाचन आयोग का मतदाता शिक्षा कार्यक्रम भी सूचना, प्रेरणा और सुविधा को चुनावी सहभागिता से जोड़ता है तथा युवा मतदाताओं की भागीदारी के लिए शैक्षणिक संस्थानों में विशेष गतिविधियों का प्रावधान करता है।

परिकल्पनाओं का औचित्य एवं परीक्षण

H₁: प्रथम बार मतदान करने वाले युवाओं की राजनीतिक जागरूकता और उनकी राजनीतिक सहभागिता के बीच सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण सकारात्मक संबंध है।

इस परिकल्पना का आधार यह है कि चुनावी प्रक्रिया, मतदाता अधिकार, उम्मीदवारों और सार्वजनिक मुद्दों की अधिक जानकारी युवाओं को राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए अधिक सक्षम बना सकती है। तालिका 7 के उदाहरणात्मक परिणाम में राजनीतिक जागरूकता और कुल राजनीतिक सहभागिता के बीच $r = .59$, $p < .01$ का सकारात्मक सहसंबंध

प्राप्त हुआ है। इससे परिकल्पना की दिशा में समर्थन प्राप्त होता है। राजनीतिक सूचना संपर्क और कुल राजनीतिक सहभागिता के बीच भी $r = .54$ का सकारात्मक संबंध है। हालाँकि सहसंबंध को कारणात्मक संबंध नहीं माना जा सकता। अधिक राजनीतिक रूप से सक्रिय युवा स्वयं भी अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसलिए वास्तविक अध्ययन में कारणात्मक निष्कर्ष निकालने के लिए अनुवर्ती अथवा दीर्घकालिक अध्ययन अधिक उपयुक्त होगा।

H₂: उच्च शैक्षिक स्तर वाले प्रथम बार मतदाताओं की राजनीतिक जागरूकता निम्न शैक्षिक स्तर वाले प्रथम बार मतदाताओं की तुलना में अधिक है।

तालिका 6 में इंटरमीडिएट स्तर के युवाओं का राजनीतिक जागरूकता माध्य 3.08, स्नातक का 3.36, स्नातकोत्तर का 3.55 तथा व्यावसायिक/तकनीकी समूह का 3.48 है। उदाहरणात्मक विश्लेषण में $F = 8.76$ तथा $p < .001$ है। इससे शैक्षिक स्तर के अनुसार राजनीतिक जागरूकता में सांख्यिकीय अंतर की संभावना दिखाई देती है। यह परिणाम इस धारणा के अनुरूप है कि शिक्षा युवाओं को राजनीतिक संस्थाओं, सार्वजनिक नीतियों और चुनावी प्रक्रिया के संबंध में अधिक व्यवस्थित जानकारी प्राप्त करने के अवसर प्रदान कर सकती है। फिर भी शिक्षा को राजनीतिक जागरूकता का एकमात्र कारण नहीं माना जा सकता, क्योंकि परिवार, मीडिया, सामाजिक वातावरण और व्यक्तिगत राजनीतिक रुचि भी महत्वपूर्ण हो सकते हैं।

H₃: राजनीतिक सूचना का नियमित संपर्क, राजनीतिक चर्चा तथा डिजिटल सूचना-साक्षरता प्रथम बार मतदान करने वाले युवाओं की राजनीतिक सहभागिता के महत्वपूर्ण पूर्वानुमानक हैं।

तालिका 7 के बहु-प्रतिगमन मॉडल में राजनीतिक सूचना संपर्क का $\beta = .214$, राजनीतिक चर्चा का $\beta = .237$ और डिजिटल सूचना-साक्षरता का $\beta = .126$ है। तीनों के p -मूल्य .05 से कम हैं। मॉडल का $R^2 = .615$ है, अर्थात् उदाहरणात्मक रूप से सम्मिलित चर कुल राजनीतिक सहभागिता में 61.5 प्रतिशत विचरण की सांख्यिकीय व्याख्या करते हैं। यह परिणाम संकेत देता है कि केवल राजनीतिक सूचना प्राप्त करना ही पर्याप्त नहीं है; राजनीतिक चर्चा और सूचना का आलोचनात्मक मूल्यांकन भी सहभागिता से संबंधित हो सकते हैं। हालिया भारतीय शोध में भी राजनीतिक रुचि और सामाजिक माध्यमों से समाचार प्राप्त करने को ऑनलाइन राजनीतिक सहभागिता से संबंधित पाया गया है।

चर्चा

प्रस्तुत अध्ययन के उदाहरणात्मक परिणाम प्रथम बार मतदान करने वाले युवाओं की राजनीतिक जागरूकता एवं सहभागिता को बहुआयामी प्रक्रिया के रूप में प्रस्तुत करते हैं। तालिका 1 से पता चलता है कि अध्ययन समूह की डिजिटल पहुँच काफी व्यापक है। स्मार्टफोन और इंटरनेट की व्यापक उपलब्धता यह संकेत देती है कि प्रथम बार मतदाता राजनीतिक जानकारी प्राप्त करने के लिए पारंपरिक स्रोतों के साथ डिजिटल माध्यमों का भी उपयोग कर सकते हैं। तालिका 2 में मतदान के अधिकार, मतदान प्रक्रिया और मतदान केंद्र से संबंधित जागरूकता अपेक्षाकृत अधिक दिखाई देती है, जबकि निर्वाचन आयोग की भूमिका, चुनावी नियमों और नोटा जैसे विशिष्ट विषयों की जानकारी अपेक्षाकृत कम है। इससे यह स्पष्ट होता है कि **राजनीतिक जागरूकता एक एकल अवधारणा नहीं है**। किसी युवा को यह जानकारी हो सकती है कि मतदान कैसे करना है, लेकिन उसे निर्वाचन संस्थाओं, चुनावी नियमों या उम्मीदवारों के बारे में सीमित जानकारी हो सकती है। तालिका 3 में डिजिटल माध्यमों का महत्व सामने आता है। यूट्यूब, इंस्टाग्राम और ऑनलाइन समाचार माध्यम राजनीतिक सूचना के महत्वपूर्ण स्रोत दिखाई देते हैं। साथ ही परिवार और मित्र भी महत्वपूर्ण बने हुए हैं। यह परिणाम राजनीतिक समाजीकरण की पारंपरिक और डिजिटल प्रक्रियाओं के सह-अस्तित्व की ओर संकेत करता है। भारत में युवाओं और सामाजिक माध्यमों पर किए गए शोध से भी स्पष्ट होता है कि युवा डिजिटल वातावरण में सक्रिय रूप से रहते हैं, लेकिन उनकी डिजिटल गतिविधियाँ सामाजिक एवं पारिवारिक संदर्भों से अलग नहीं होतीं। तालिका 4 में मतदान को नागरिक कर्तव्य मानने, पहली बार मतदान के प्रति उत्साह तथा मतदान करने की निश्चितता का स्तर अपेक्षाकृत अधिक दिखाई देता है। इसके विपरीत घोषणापत्र पढ़ने और उम्मीदवारों की तुलनात्मक जानकारी प्राप्त करने की प्रवृत्ति कम है। इससे एक महत्वपूर्ण अंतर सामने आता है—**मतदान की इच्छा और सूचित मतदान निर्णय एक ही अवधारणा नहीं हैं**। तालिका 5 में राजनीतिक सूचना देखने की तुलना में सक्रिय राजनीतिक अभिव्यक्ति और प्रत्यक्ष सहभागिता कम दिखाई देती है। राजनीतिक पोस्ट देखना अपेक्षाकृत सामान्य है, जबकि राजनीतिक प्रतिनिधियों से संपर्क, राजनीतिक बैठकों में भागीदारी और ज्ञापन/याचिका जैसी गतिविधियाँ

कम हैं। इससे यह संकेत मिलता है कि युवा राजनीतिक जानकारी में रुचि रख सकते हैं, लेकिन सक्रिय राजनीतिक संगठनात्मक गतिविधियों में समान स्तर पर भाग नहीं लेते।

तालिका 6 में शिक्षा, परिवार में राजनीतिक चर्चा और डिजिटल सूचना उपयोग के आधार पर राजनीतिक जागरूकता में अंतर दिखाई देता है। विशेष रूप से परिवार में राजनीतिक चर्चा के उच्च स्तर वाले समूह में जागरूकता का माध्य अधिक है। इससे राजनीतिक समाजीकरण के पारिवारिक आयाम का महत्व सामने आता है। तालिका 7 अध्ययन की प्रमुख परिकल्पनाओं को जोड़ती है। राजनीतिक जागरूकता और कुल राजनीतिक सहभागिता के बीच सकारात्मक सहसंबंध तथा बहु-प्रतिगमन मॉडल में राजनीतिक जागरूकता का अपेक्षाकृत अधिक बीटा मान यह संकेत देता है कि ज्ञान और सहभागिता परस्पर संबंधित हो सकते हैं। लेकिन इसे कारणात्मक प्रभाव नहीं माना जाना चाहिए। यह निष्कर्ष हालिया साहित्य के अनुरूप है। भारतीय नागरिकों पर किए गए शोध में राजनीतिक रुचि और सामाजिक माध्यमों से समाचार प्राप्त करने को ऑनलाइन राजनीतिक सहभागिता से संबंधित पाया गया है। दूसरी ओर, युवा राजनीतिक सक्रियता पर हालिया शोध यह भी दिखाता है कि डिजिटल सक्रियता का अनुभव केवल राजनीतिक व्यवहार तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक और भावनात्मक आयामों से भी जुड़ा है। प्रथम बार मतदाताओं के संदर्भ में यह चर्चा विशेष महत्व रखती है क्योंकि निर्वाचन आयोग ने 18-19 वर्ष आयु वर्ग में सूचना के अंतर और प्रेरणा की कमी को युवा चुनावी सहभागिता की चुनौतियों के रूप में पहचाना है। अतः युवा मतदाताओं के लिए मतदाता शिक्षा केवल पंजीकरण तक सीमित न होकर चुनावी प्रक्रिया, राजनीतिक जानकारी, सूचना-सत्यापन और स्वतंत्र नागरिक निर्णय तक विस्तारित होनी चाहिए।

निष्कर्ष

प्रथम बार मतदान करने वाले युवा लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिक सहभागिता के एक महत्वपूर्ण चरण में प्रवेश करते हैं। उनका पहला मतदान अनुभव केवल एक चुनावी प्रक्रिया नहीं बल्कि राजनीतिक जागरूकता, नागरिक उत्तरदायित्व और भविष्य की राजनीतिक सहभागिता के विकास से संबंधित हो सकता है। प्रस्तुत अध्ययन के उदाहरणात्मक सांख्यिकीय विश्लेषण से संकेत मिलता है कि प्रथम बार मतदाताओं में मतदान के अधिकार, मतदान प्रक्रिया और मतदान केंद्र से संबंधित सामान्य जानकारी अपेक्षाकृत अधिक हो सकती है, जबकि निर्वाचन आयोग की भूमिका, चुनावी नियम, नोटा, घोषणापत्र तथा उम्मीदवारों की तुलनात्मक जानकारी जैसे विशिष्ट विषयों में अतिरिक्त जागरूकता की आवश्यकता हो सकती है। अध्ययन से यह भी स्पष्ट होता है कि राजनीतिक सूचना के स्रोतों में महत्वपूर्ण परिवर्तन आया है। परिवार, मित्र, टेलीविजन और समाचार-पत्र के साथ यूट्यूब, इंस्टाग्राम और ऑनलाइन समाचार माध्यम भी युवा राजनीतिक सूचना वातावरण का हिस्सा हैं। इसलिए वर्तमान मतदाता शिक्षा व्यवस्था में पारंपरिक और डिजिटल दोनों माध्यमों को एकीकृत करना उपयोगी हो सकता है। राजनीतिक सहभागिता का स्वरूप भी बहुआयामी है। राजनीतिक समाचार देखना और चुनावी चर्चा करना अपेक्षाकृत सामान्य हो सकता है, जबकि राजनीतिक बैठकों में भाग लेना, प्रतिनिधियों से संपर्क करना तथा ज्ञापन या याचिका जैसी प्रत्यक्ष गतिविधियाँ कम सामान्य हो सकती हैं। इसलिए युवा राजनीतिक सहभागिता को केवल मतदान प्रतिशत से मापना पर्याप्त नहीं है। उदाहरणात्मक विश्लेषण में राजनीतिक जागरूकता, शैक्षिक स्तर, पारिवारिक राजनीतिक चर्चा और डिजिटल सूचना-साक्षरता राजनीतिक सहभागिता से संबंधित दिखाई देते हैं। इसलिए प्रथम बार मतदाताओं के लिए प्रभावी नागरिक शिक्षा में केवल “मतदान कैसे करें” की जानकारी के बजाय “**किस प्रकार विश्वसनीय राजनीतिक जानकारी प्राप्त करें, विभिन्न विचारों की तुलना करें, चुनावी प्रक्रिया को समझें और स्वतंत्र नागरिक निर्णय लें**” पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। अंततः, भारत निर्वाचन आयोग द्वारा युवा एवं प्रथम बार मतदाताओं के लिए निरंतर मतदाता शिक्षा की आवश्यकता पर दिया गया जोर वर्तमान अध्ययन के संदर्भ में विशेष रूप से प्रासंगिक है। वास्तविक क्षेत्रीय अध्ययन में अधिक बड़े और प्रतिनिधिक नमूने, विभिन्न राज्यों की तुलना तथा मतदान के बाद युवाओं के राजनीतिक व्यवहार का अनुवर्ती अध्ययन इस शोध क्षेत्र को और अधिक व्यापक बना सकता है।

संदर्भ सूची

- [1]. Almond, G. A., & Verba, S. (1963). *The civic culture: Political attitudes and democracy in five nations*. Princeton University Press.

- [2]. Bennett, W. L., Wells, C., & Rank, A. (2009). Young citizens and civic learning: Two paradigms of citizenship in the digital age. *Citizenship Studies*, 13(2), 105–120. <https://doi.org/10.1080/13621020902731116>
- [3]. Boulianne, S. (2015). Social media use and participation: A meta-analysis of current research. *Information, Communication & Society*, 18(5), 524–538. <https://doi.org/10.1080/1369118X.2015.1008542>
- [4]. Easton, D., & Dennis, J. (1969). *Children in the political system: Origins of political legitimacy*. McGraw-Hill.
- [5]. Gil de Zúñiga, H., Jung, N., & Valenzuela, S. (2012). Social media use for news and individuals' social capital, civic engagement and political participation. *Journal of Computer-Mediated Communication*, 17(3), 319–336. <https://doi.org/10.1111/j.1083-6101.2012.01574.x>
- [6]. Kahne, J., Lee, N.-J., & Feezell, J. T. (2012). Digital media literacy education and online civic and political participation. *International Journal of Communication*, 6, 1–24.
- [7]. Kumar, S., & Kumar, D. (2024). Youth vote in 2024 Lok Sabha elections. *Studies in Indian Politics*, 12(2). <https://doi.org/10.1177/23210230241289582>
- [8]. Lane, D., Das, V., & Hiaeshutter-Rice, D. (2019). Civic laboratories: Youth political expression in anonymous, ephemeral, geo-bounded social media. *Information, Communication & Society*, 22(14), 2061–2079. <https://doi.org/10.1080/1369118X.2018.1477973>
- [9]. Loader, B. D., Vromen, A., & Xenos, M. A. (2014). The networked young citizen: Social media, political participation and civic engagement. *Information, Communication & Society*, 17(2), 143–150. <https://doi.org/10.1080/1369118X.2013.871571>
- [10]. Sarwatay, D., & Raman, U. (2022). Everyday negotiations in managing presence: Young people and social media in India. *Information, Communication & Society*, 25(4), 531–548. <https://doi.org/10.1080/1369118X.2021.1988129>
- [11]. Vaneza Jude, A., & Padmakumari, P. (2026). Social media activism: Delving into Generation Z's experiences. *Communication Research and Practice*, 12(1), 20–37. <https://doi.org/10.1080/22041451.2025.2554375>
- [12]. Valenzuela, S., Arriagada, A., & Scherman, A. (2012). The social media basis of youth protest behavior: The case of Chile. *Journal of Communication*, 62(2), 299–314. <https://doi.org/10.1111/j.1460-2466.2012.01635.x>
- [13]. निर्वाचन आयोग, भारत. (2024). *भारत निर्वाचन आयोग: मतदाता शिक्षा एवं चुनावी साक्षरता*. भारत निर्वाचन आयोग.